अनुक्रमणिका

अध्याय	विषय वस्तु	पृष्ठ संख्या
	कृतज्ञता	**i**
	प्रक्कथन	**iii**
अध्याय–1	**भरत मुनि का परिचय**	**1–22**
1:1	भरत	**2**
1:2	भरत मुनि का जन्म स्थल	**4**
1:3	नाट्यशास्त्रीय परम्परा	**5**
1:4	कृशाश्व और शिलालिन	**5**
1:5	भरत एक परिचय	**7**
1:6	सहिंताकाल और भरत	**7**
1:7	नाट्यशास्त्र और भरत	**8**
1:8	नाट्य प्रणेता भरत	**9**
1:9	नाट्यशास्त्र ग्रन्थ एवं भरत	**10**
1:10	नाट्यशास्त्र का रचना काल	**14**
1:10:1	महाग्रामणी (गणेश)	**14**
1:10:2	प्राचीन जातियों और जनपद	**15**
1:10:3	नाट्यशास्त्र की प्राकृत एवं संस्कृत भाषा	**15**
1:10:4	नाट्यशास्त्र में प्राचीन काव्यशास्त्र की रुपरेखा	**16**
1:10:4:1	अलंकार	**16**
1:10:4:2	छन्द	**16**
1:10:5	प्राचीन शिलालेखों और नाट्यशास्त्र	**16**
1:11	नाट्यशास्त्र में वर्णन पूर्वाचार्यो और प्राचीन ग्रन्थ	**17**
1:11:1	भरत मुनि के पूर्ववर्ती व समकालीन आचार्य	**18**
1:11:1:1	ब्रह्मा और महादेव	**18**
1:11:1:2	नरद	**18**

1:11:1:3	स्वाति	19
1:11:1:4	तम्बुरु	19
1:11:1:5	नन्दी या नन्दिन	20
1:11:1:6	अगस्त्य	20
1:11:1:7	कश्यप	20
1:11:1:8	दत्तिल	20
1:11:1:9	कोहल	21
1:11:1:10	अश्मचुट्ट तथा नखकुट्ट	21
1:11:1:11	बदरायण तथा शातकर्णी	21
अध्याय–2	**नाट्यशास्त्र का परिचय**	**23–101**
2:1	नाट्यशास्त्र का रचना काल	25
2:2	नाट्यशास्त्र के रचयिता	30
2:3	नाट्यशास्त्र का स्वरूप	34
2:4	नाट्यशास्त्र के संस्करण	36
2:5	नाट्यशास्त्र के समस्त अध्यायों का संक्षिप्त विवरण	40
2:5:1	मंगलाचरण	40
2:5:2	प्रेक्षगृह के लक्षण	42
2:5:3	रंग देवताओं की पूजा	43
2:5:4	अमृतमंथन	45
2:5:5	पूर्वरंग विधान	46
2:5:6	रस शास्त्र	46
2:5:7	भावाध्याय	50
2:5:8	उपांगाभिनय	52
2:5:9	आंगिक अभिनय	55
2:5:10	शरीराभिनय	62
2:5:11	चारीविधान	63
2:5:12	मंडलविधान	66

2:5:13	गतिप्रचार	67
2:5:14	कक्ष्यापरिधि तथा लोकधर्मि–निरूपणाध्याय	68
2:5:15	वाचिकाभिनय	70
2:5:16	वृत्तिविधान	71
2:5:17	काव्यलक्षणादि (वाचिकाभिनये)	72
2:5:18	भाषा विधान	74
2:5:19	सम्बोधन तथा काकुस्वरव्यंजन	76
2:5:20	दशरुपनिरुपण	78
2:5:21	सन्धिसन्ध्यग्ड निरुपण	79
2:5:22	वृत्तिविधान	80
2:5:23	आहार्य अभिनयाध्याय	81
2:5:24	सामान्य अभिनयाध्याय	83
2:5:25	वैषिकोपचार विधान	84
2:5:26	चित्राभिनयाध्याय	86
2:5:27	नाट्य सिद्धि निरुपण	87
2:5:28	आतोद्यविधान	89
2:5:29	ततातोद्यविधान	90
2:5:30	सुषिर–आतोद्य विधानाध्याय	91
2:5:31	तालविधानाध्याय	92
2:5:32	ध्रुवाविधान	92
2:5:33	अवनद्धा तोद्यविधानाध्याय	93
2:5:34	प्रकृतिविचाराध्याय	94
2:5:35	भूमिका विकल्पाध्याय	95
2:5:36	नाट्यावताराध्याय	96
अध्याय–3	**नाट्याशास्त्र में वर्णित तालशास्त्र**	**102–259**
3:1	नाट्याशास्त्र के विभिन्न अध्यायों में वर्णित तालशास्त्र पक्ष	102
3:1:1	मंगलाचरण	103

3:1:2	प्रेक्षगृह के लक्षण	103
3:1:3	रंग देवताओं की पूजा	104
3:1:4	अमृतमंथन	105
3:1:5	पूर्वरंग विधान	109
3:1:6	चारीविधान	115
3:1:7	गतिप्रचार	117
3:1:8	कक्ष्या, परिधि तथा लोकधर्मी निरुपण	120
3:1:9	आतोद्यविधान	120
3:1:9:1	तत् वाद्य	121
3:1:9:2	सुषिर वाद्य	121
3:1:9:3	घन वाद्य	122
3:1:9:4	अवनद्ध वाद्य	122
3:1:10	ध्रुवाविधान	123
3:1:11:1	अवनद्धातोद्यविधानाध्याय	127
3:1:11:1:1	सोलह अक्षर	131
3:1:11:1:2	चार मार्ग	132
3:1:11:1:3	विलेपन(लेपन)	132
3:1:11:1:4	षटकरण	133
3:1:11:1:5	त्रियति	134
3:1:11:1:6	त्रिलय	134
3:1:11:1:7	त्रिपाणि (पाणि)	134
3:1:11:1:8	त्रिगति	134
3:1:11:1:9	त्रिसंयोग	135
3:1:11:1:10	पंच पाणि प्रहत	135
3:1:11:1:11	त्रिप्रहार	135
3:1:11:1:12	त्रिमार्जना	136
3:1:11:1:13	अलंकार	136

3:1:11:1:14	जाति	136
3:1:11:1:15	त्रिप्रचार	136
3:1:11:2:1	पणव	136
3:1:11:2:2	दर्दुर	138
3:1:11:2:3	मृदंग	139
3:1:11:2:4	पटह	143
3:1:11:2:5	झल्लरी	144
3:1:12	भूमिका विकल्पाध्याय	145
3:2	नाट्याशास्त्र में तालाध्याय	147
3:3	नाट्याशस्त्र में तालध्याय में वर्णित ताल	235
3:3:1	काल प्रमाण	236
3:3:2	त्रिलय	236
3:3:3	मार्ग	237
3:3:3:1	चित्र मार्ग	239
3:3:3:2	वार्तिक मार्ग	239
3:3:3:3	दक्षिण मार्ग	239
3:3:4	यति भेंद	240
3:3:4:1	समा यति	240
3:3:4:2	स्त्रोतोगता यति	241
3:3:4:3	गोपुच्छा यति	241
3:3:5	त्रिपाणि	241
3:3:6	ताल क्रिया	242
3:3:7	पात	242
3:3:7:1	निशब्द क्रिया	243
3:3:7:1:1	आवाप	243
3:3:7:1:2	निष्क्राम	243
3:3:7:1:3	विक्षेप	244

	3:3:7:1:4	प्रवेशक	244
3:3:7:2		सशब्द क्रिया	245
	3:3:7:2:1	ध्रुवा	245
	3:3:7:2:2	शम्या	245
	3:3:7:2:3	ताल	245
	3:3:7:2:4	सन्निपात	245
3:3:8		ताल के भेंद	246
3:3:9:		नाट्यशास्त्र में वर्णित तालों का स्वरूप	248
	3:3:9:1	ताल चच्चत्पुट	248
	3:3:9:2	ताल चाचपुट	248
	3:3:9:3	ताल षट्पितापुत्रक	248
	3:3:9:4	ताल सम्पक्वेष्टाक	248
	3:3:9:5	ताल उद्घट	248
3:3:10		चच्चत्पुट	250
	3:3:10:1	चच्चत्पुट का यथाक्षर स्वरूप	251
	3:3:10:2	चच्चत्पुट का द्विकल स्वरूप	251
	3:3:10:3	चच्चत्पुट का चतुष्कल स्वरूप	251
3:3:11		चाचपुटम	252
	3:3:11:1	चाचपुटम का यथाक्षर स्वरूप	252
	3:3:11:2	चाचपुटम का द्विकल स्वरूप	253
	3:3:11:3	चाचपुटम का चतुष्कल रूप	253
3:3:12		षट्पितापुत्रक	253
	3:3:12:1	षट्पितापुत्रक ताल का यथाक्षर स्वरूप	254
	3:3:12:2	षट्पितापुत्रक ताल का द्विकल स्वरूप	254
	3:3:12:3	षट्पितापुत्रक ताल का चतुष्कल स्वरूप	255
3:3:13		सम्पक्वेष्टक	255
	3:3:13:1	सम्पक्वेष्टक ताल का यथाक्षर स्वरूप	255

3:3:13:2	सम्पक्वेष्टक ताल का द्विकल स्वरूप	255
3:3:13:3	सम्पक्वेष्टक ताल का चतुष्कल स्वरूप	256
3:3:14	उद्घट्टम्	256
3:3:14:1	उद्घट्टम् ताल का यथाक्षर स्वरूप	257
3:3:14:2	उद्घट्टम् ताल का द्विकल स्वरूप	257
3:3:14:3	उद्घट्टम् ताल का चतुष्कल स्वरूप	257
अध्याय–4	**नाट्यशास्त्र में वर्णित ताल की वर्तमान उपयोगिता एंव संभावनाएं**	**260–364**
4:1	विभिन्न अध्यायों में वर्णित ताल की वर्तमान उपयोगिता	269
4:1:1	मंगलाचरण	269
4:1:2	प्रेक्षगृह के लक्षण	269
4:1:3	रंग देवताओं की पूजा	270
4:1:4	अमृतमंथन	271
4:1:5	पूर्वरंग विधान	271
4:1:6	चारीविधान	271
4:1:7	गतिप्रचार	273
4:1:8	कक्ष्या, परिधि तथा लोकधर्मी निरुपण	273
4:1:9	अवनद्धातोद्यविधानाध्याय	274
4:1:9:1	षोड़ष अक्षर(सोलह अक्षर)	275
4:1:9:2	चार मार्ग	277
4:1:9:3	विलेपन(लेपन)	278
4:1:9:4	षटकरण	278
4:1:9:5	त्रियति	278
4:1:9:5:1	समायति	279
4:1:9:5:2	स्त्रोतागता यति	279
4:1:9:5:3	गोपुच्छा यति	280
4:1:9:5:4	मृदंगा यति	281

4:1:9:5:5	पिपीलिका यति	281
4:1:9:6	त्रिलय	282
4:1:9:7	त्रिपाणि (पाणि)	283
4:1:9:7:1	समपाणि(सम ग्रह)	283
4:1:9:7:2	अर्धपाणि(अनागत ग्रह)	284
4:1:9:7:3	उपरीपाणि(अतीत ग्रह)	284
4:1:9:8	त्रिगति	284
4:1:9:8:1	तत्व गति	284
4:1:9:8:2	अनुगत गति	284
4:1:9:8:3	ओघ गति	285
4:1:9:9	त्रिप्रचार	285
4:1:9:9:1	समप्रचार	285
4:1:9:9:2	विषमप्रचार	285
4:1:9:9:3	समविषमप्रचार	285
4:1:9:10	त्रिसंयोग	286
4:1:9:10:1	गुरू संयोग	286
4:1:9:10:2	लघु संयोग	286
4:1:9:10:3	गुरूलघु संयोग	286
4:1:9:11	पंचपाणि प्रहत	286
4:1:9:11:1	समपाणिप्रहत	287
4:1:9:11:2	अर्धपाणि प्रहत	287
4:1:9:11:3	अर्द्धाधपाणि प्रहत	287
4:1:9:11:4	पार्श्वपाणि प्रहत	287
4:1:9:11:5	प्रदेशनीपाणि प्रहत	287
4:1:9:12	त्रिप्रहार	287
4:1:9:13	त्रिमार्जना	288
4:1:9:14	अलंकार	288

4:1:9:15	जाति	288
4:1:10	भूमिका विकल्पाध्याय	289
4:2	नाट्यशास्त्र में वर्णित तालों की वर्तमान उपयोगिता	289
4:2:1	काल	295
4:2:2	मार्ग	298
4:2:2:1	चित्र मार्ग	300
4:2:2:2	वार्तिक मार्ग	300
4:2:2:3	दक्षिण मार्ग	300
4:2:3	क्रिया	302
4:2:4	अंग	306
4:2:5	ग्रह	312
4:2:6	जाति	320
4:2:7	कला	328
4:2:8	लय	331
4:2:9	यति	338
4:2:10	प्रस्तार	347
4:3	संगीत में तालों की वर्तमान उपयोगिता	349
4:3:1	गायन के संदर्भ में	349
4:3:2	वादन के संदर्भ में	354
4:3:3	नृत्य के संदर्भ में	357
4:3:4	नाट्य के संदर्भ में	361
	उपसंहार	365
	संदर्भ ग्रन्थ सूची	370
शोध–लेख–1	**ISSN-2348-5892 Sangitika pg. 39–44** नाट्यशास्त्र का रचनाकाल :एक अध्ययन	
शोध–लेख–2	**ISSN-2324-5303 Printing Area Vidyawarta pg. 193–198** नाट्यशास्त्र में वर्णित ताल वाद्य	

****